भारत की राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित नागरिक अ भनन्दन समारोह में संबोधन

लखनऊ, **12** फरवरी, 2023

राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद यह लखनऊ की मेरी पहली यात्रा है। इस यात्रा को आप सब के भावपूर्ण स्वागत ने अ वस्मरणीय बना दिया है। इसके लए मैं आप सबको हृदय से धन्यवाद देती हूं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश के लगभग 25 करोड़ निवा सयों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने तथा देश की प्रगति में प्रभावी योगदान देने की दृष्टि से आयोजित यू.पी. ग्लोबल इन्वेस्टर्स स मट में आमंत्रित करके मुझे इस महान राज्य की वकास-गाथा से जोड़ा है। इस अ भनंदन समारोह में आमंत्रित करके उन्होंने मुझे राज्य के निवा सयों के स्नेह-भाव का अनुभव कराया है। इसके लए मैं मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करती हूं।

वश्व की जनसंख्या में भारत का जो हिस्सा है , लगभग उतना ही हिस्सा भारत की आबादी में उत्तर प्रदेश का है। भारत सहित , केवल पांच देशों की आबादी, उत्तर प्रदेश से अ धक है। इतने बड़े प्रदेश के उद्यमी और निष्ठावान लोग, नई ऊर्जा के साथ, नए भारत के निर्माण में कार्यरत हैं, यह देखकर मैं भारत के स्व र्णम भ वष्य के प्रति आश्वस्त महसूस करती हूं।

दे वयो और सज्जनो,

बाबा वश्वनाथ की काशी , प्रभु श्रीराम की अयोध्या , योगेश्वर श्रीकृष्ण की मथुरा तथा भगवान बुद्ध के सा रनाथ से निकलने वाली भारत की परंपराएं और भाव-धाराएं सभी देशवा सयों को एक सूत्र में जोड़ती हैं। महान ऋ ष-मुनियों की संगम-स्थली नै मषारण्य, बाबा गोरखनाथ की तपस्थली गोरखपुर, संत कबीर की मुक्ति-स्थली मगहर तथा उत्तर प्रदेश के अनेक अत्यंत प वत्र स्थलों में भारत की आध्यात्मिक शक्ति का उत्कर्ष देखा गया है। ऐसे प वत्र स्थानों की आध्यात्मिक ऊर्जा युगों-युगों तक हमारे देश को शक्ति प्रदान करती रहेगी।

उत्तर प्रदेश को गंगा , यमुना, सरयू, गोमती, घाघरा, गंडक, केन, बेतवा, राप्ती और सोन जैसी अनेक नदियों का आशीर्वाद मलता रहा है। इन नदियों ने उत्तर प्रदेश को जल के साथ-साथ उपजाऊ म ी का प्राकृतिक उपहार भी दिया है। भारतीय परंपरा के अनुसार , हम इन नदी-माताओं को नमन करते हैं तथा उन्हें अ वरल और शुद्ध बनाए रखने का संकल्प लेते हैं।

प्रयागराज में गंगा-यमुना के संगम पर कुम्भ का आयोजन प्राचीनकाल से एक प्रमुख धा र्मक , आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन रहा है। वर्ष 2017 में **UNESCO** ने प्रयागराज कुम्भ मेला को **'Intangible Cultural Heritage of Humanity'** अर्थात वश्व की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता प्रदान की है। वर्ष 2019 में प्रयागराज कुम्भ के अत्यंत वशाल और उत्कृष्ट आयोजन ने समस्त वश्व समुदाय पर अपनी अ मट छाप छोड़ी है। वशालता और उत्कृष्टता का यह संगम उत्तर प्रदेश के अनेक बड़े प्रकल्पों में दिखाई देता है। इसके लए मैं राज्य सरकार और सभी निवा सयों की सराहना करती हूं।

दे वयो और सज्जनो,

गोमती के कनारे बसा आप सबका लखनऊ शहर प्राचीन कोसल साम्राज्य का महत्वपूर्ण हिस्सा था। यह कहा जाता है क इस शहर का नाम भगवान राम के अनुज, लक्ष्मण जी के नाम पर पड़ा था। उन्नीसवीं सदी के अंत तक

इस शहर को लखनपुर कहने की परंपरा चली आ रही थी। यह नगर एक तरफ हमारी प्राचीनतम परम्पराओं से जुड़ा हुआ है तो दूसरी ओर मध्यकाल और आधुनिक युग में भी संस्कृति , साहित्य, राजनीति तथा कला-कौशल का प्रमुख केंद्र रहा है।

लखनऊ में आकर श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का सहज ही स्मरण होता है। ग्वा लयर में पले-बढ़े अटल जी की जीवन-गाथा में आगरा , कानपुर, बलरामपुर और लखनऊ अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। लखनऊ के लोगों ने उन्हें अपार स्नेह दिया। उनकी बातचीत में और उनके चुनाव अ भयानों में लखनऊ से जुड़े इस लोक प्रय कथन का प्रायः उल्लेख होता था:

लखनऊ हम पर फदा, और हम फदा-ए-लखनऊ

क्या है ताकत आसमां की, जो छुड़ाए लखनऊ।

अटल जी, लखनऊ के लोगों से बहुत गहरा जुड़ाव महसूस करते थे।

दे वयो और सज्जनो,

अर्थव्यवस्था के वकास के साथ-साथ आ र्थक और सामाजिक प्रगति का न्यायपूर्ण और समावेशी होना भी अनिवार्य है। समाज के सभी वं चत वर्गों तथा महिलाओं को समावेशी वकास की परि ध में लाना हमारी राष्ट्रीय प्राथ मकता है। महिलाओं के सशक्तीकरण द्वारा, आधुनिक उत्तर प्रदेश का आ र्थक, सामाजिक और राजनैतिक न्याय सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान रहेगा, यह मेरा दृढ़ वश्वास है।

महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण के इतिहास में उत्तर प्रदेश के ऐसे अनोखे कीर्तिमान हैं जो कभी टूट नहीं सक ते हैं। वर्ष 1947 में श्रीमती सरोजिनी नायडू को देश की पहली महिला राज्यपाल तथा वर्ष 1963 में श्रीमती सुचेता कृपलानी को देश की पहली महिला मुख्यमंत्री होने का ऐतिहा सक गौरव उत्तर प्रदेश में ही प्राप्त हुआ। उसके बाद, वर्ष 1972 में महिला मुख्यमंत्री बनने का गौरव मेरी जन्म -स्थली ओ डशा में, श्रीमती

नंदिनी सत्पथी को प्राप्त हुआ। कालांतर में सुश्री मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं। कुछ अन्य राज्यों में भी महिलाओं को राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। वर्ष 2014 में गुजरात की मुख्यमंत्री नियुक्त होने वाली श्रीमती आनंदीबेन पटेल आज उत्तर प्रदेश की राज्यपाल हैं। उनका कुशल और स्नेहिल मार्गदर्शन मलना आप सब का सौभाग्य है। ऐसी जन-से वकाओं से प्रेरणा लेकर मेरी पीढ़ी की बहनें भी साहस के साथ आगे बढ़ी हैं। मुझे वश्वास है क आने वाली पीढ़ियों की बेटियां, अनेक क्षेत्रों में , और अ धक आगे बढ़ेंगी। इन तथ्यों का उल्लेख करने के पीछे मेरी यह आकांक्षा है क उत्तर प्रदेश महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्था पत करे।

दे वयो और सज्जनो,

आधुनिक चंतन और राजनीति की व भन्न धाराओं को दिशा देने वाले मदन मोहन मालवीय, आचार्य नरेन्द्र देव, पुरुषोत्तम दास टंडन, जवाहरलाल नेहरु, लाल बहादुर शास्त्री, राम मनोहर लोहिया , दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, चौधरी चरण संह, इन्दिरा गाँधी, चंद्रशेखर, वश्वनाथ प्रताप संह, कल्याण संह और मुलायम संह यादव ने उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा करते हुए अपने कार्य क्षेत्र को वस्तार दिया तथा पूरे देश के जनमानस में अपना व शष्ट स्थान बनाया। अब तक, भारत के नौ प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश से लोकसभा के लए निर्वा चत हुए हैं। वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वाराणसी को अपना संसदीय क्षेत्र चुना है तथा भारत और उत्तर प्रदेश के साथ-साथ, अपने क्षेत्र के कायाकल्प के लए भी वे निरंतर प्रयासरत रहते हैं।

दे वयो और सज्जनो,

बारह मार्च, 2021 को शुरू कया गया 'आजादी का अमृत महोत्सव', सभी देशवासी मना रहे हैं। हम सभी जानते हैं क मेरठ छावनी के बहादुर सपाहियों ने, 1857 के स्वाधीनता समर का बिगुल बजाया था। उस संग्राम

में लखनऊ से बेगम हजरत महल तथा कानपुर से नाना साहब और तात्या टोपे मोर्चा संभाल रहे थे। उस स्वाधीनता संग्राम में अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का नाम देश की महानतम वीरांगनाओं में सदैव अमर रहेगा। बीसवीं सदी में क्रान्ति की मशाल को जलाए रखने वाले राम प्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक़ उल्ला खान, चन्द्र शेखर आजाद, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, दुर्गा भाभी तथा इस धरती की अनेक संतानों के शौर्य से पूरे देश में प्रेरणा का संचार हो रहा था। मुझे बताया गया है क स्वाधीनता सेनानियों की गौरव-गाथा का परिचय देने वाले चार शहीद स्मारक गोरखपुर में स्थित हैं, जिसका प्रतिनि धत्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी करते रहे हैं।

दे वयो और सज्जनो,

उत्तर प्रदेश की सरकार बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने के लए संकल्पित है। देश की सबसे बड़ी **workforce** और सबसे बड़ी युवा आबादी को राज्य में अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के अवसर प्रदान कए जा रहे हैं। मुझे वश्वास है क उत्तर प्रदेश के निवासी, वशेषकर यहां के युवा, भावी भारत की वकास-गाथा में अपना स्व र्णम अध्याय जोड़ेंगे। इसी वश्वास के साथ मैं अपनी वाणी को वराम देती हूं।

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!